



राष्ट्रीय गोकुल मशिन

प्रलिस के लयल:

राष्ट्रीय गोकुल मशिन और संबंघतल पहल, राष्ट्रीय पशुधन वकलस योजनल, गोकुल ग्रलम

मेन्स के लयल:

पशुधन क्षेत्र को बढलवल देने की पहल

चरुल में क्युं?

हलल ही में मत्स्यपलन, पशुपलन और डेयरी मंत्रललय ने घुषणल की है कल **50 ललख से अधकल कसलनों को रोजगलर दलवल जलएगल** ।

- **राष्ट्रीय गोकुल मशिन (RGM)** के तहत गल/भैस/सुअर/मुरगी/बकरी प्रजनन फलरमों और सलइलेज बनलने वलली इकलइयुं को सबसडुी प्रदलन करने की योजनल है, जसलमें से **50% सबसडुी भरत सरकलर दवलरल दी जलएगी** । सलथ ही पशुपलन अवसंरुनल वकलस नधल (Animal Husbandry Infrastructure Development Fund- AHIDF) योजनल के तहत लोन रलशपलर **3 फीसदी ब्यलज सबवेंशन भी लयल जल सकतल है** ।

राष्ट्रीय गोकुल मशिन:

- **परुवल:**
 - यह दसलंबर 2014 से देशी गोजलतीय नसुलों के वकलस और संरकुषण के लयल ललगु कयल जल रहल है ।
 - यह योजनल 2400 करोडु रुपए के बजट परवलय के सलथ वरुष 2021 से 2026 तक अम्बरेलल योजनल **राष्ट्रीय पशुधन वकलस योजनल** के तहत भी जलरी है ।
- **नोडल मंत्रललय:**
 - मत्स्य पलन, पशुपलन और डेयरी मंत्रललय
- **उददेश्य:**
 - उन्नत तकनीकुं कल उपयुग करके गवुंश की उत्पादकतल और दुग्ध उत्पादन को सुथलयी रूप से बढलनल ।
 - प्रजनन उददेश्युं के लयल उरुच आनुवंशकल युगयतल वलले सुँडुुं के उपयुग कल प्ररुलर करने ।
 - प्रजनन नेटवरुक को मजुबूत करने और कसलनों तक कृतरुमल गर्भलधलन सेवलुं की डलललवरी के मलधुयम से कृतरुमल गर्भलधलन कवरेज को बढलनल ।
 - वैजुनलकल और समग्र तरीके से सुवदेशी मवेशी और भैस पलन एवं संरकुषण को बढलवल देनल ।
- **महतत्व:**
 - राष्ट्रीय गोकुल मशिन (RGM) के परणलमसुवरूप उत्पादकतल में वृदुधल हुुगी तथल करुयकरुम कल ललभ वशुष रूप से **भरत के सभल उुुटे और सीमलंत कसलनुं के मवेशललुं एवं भैसुं तक पहुँचेगल** ।
 - यह करुयकरुम वशुष रूप से **महलललुं को भी ललभलनुवतल करेगल क्युंकल पशुधन खेती में शलमलल 70% से अधकल करुय महलललुं दवलरल कयल जलतल है** ।
- **घटक:**
 - उरुच आनुवंशकल मेरुटल जरुमपुललजुम (Merit Germplasm) की उपलबुधतल
 - कृतरुमल गर्भलधलन नेटवरुक कल वसुतलर
 - सुवदेशी नसुलुं कल वकलस और संरकुषण
 - कुुशल वकलस
 - कसलन जलगरुकतल
 - गुु-जलतीय प्रजनन में अनुसुधलन वकलस और नवलरल
- **करुयलनुवतन एरुंसी:**
 - राष्ट्रीय गोकुल मशिन को **"रलजुय करुयलनुवतन एरुंसी (एसआईए अरुथलत पशुधन वकलस डुुड)"** के मलधुयम से करुयलनुवतल कयल

जाएगा।

■ महत्त्वपूर्ण पहलें:

- गोपाल रत्न पुरस्कार:
 - यह सर्वश्रेष्ठ स्वदेशी नस्ल के समूह को बनाए रखने तथा सर्वोत्तम प्रबंधन के लिये किसानों को प्रदान किया जाता है।
- कामधेनु पुरस्कार:
 - संस्थान/ट्रस्ट/एनजीओ/गोशालाओं या सर्वश्रेष्ठ-प्रबंधित ब्रीडर्स सोसायटियों द्वारा सर्वश्रेष्ठ-प्रबंधित स्वदेशी समूह के लिये प्रदान किया जाता है।
- गोकुल ग्राम:
 - RGM ने स्वदेशी नस्लों को विकसित करने हेतु एकीकृत मवेशी विकास केंद्रों 'गोकुल ग्राम' की स्थापना की परिकल्पना की है, जिसमें 40% तक नस्लें (किसी विशेष वर्ग या प्रकार से संबंधित या दिखाई देने वाली) शामिल हैं:
 - वैज्ञानिक तरीके से स्वदेशी पशु पालन और संरक्षण को बढ़ावा देना।
 - स्वदेशी नस्लों के उच्च आनुवंशिक योग्यता वाले सांडों का वंश बढ़ाना।
 - आधुनिक कृषि प्रबंधन पद्धतियों का अनुकूलन करना तथा सामान्य संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देना।
 - पशु अपशिष्ट का कफ़ायती तरीके से उपयोग करना जैसे- गाय का गोबर, गोमूत्र।
 - हाल ही में 16 गोकुल ग्रामों की स्थापना के लिये धनराशि जारी की गई है।
- राष्ट्रीय कामधेनु प्रजनन केंद्र (NKBC):
 - इसे समग्र और वैज्ञानिक तरीके से स्वदेशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिये उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है।
- ई-पशु हाट:
 - यह एक वेब पोर्टल है, यह पालतू मवेशियों, गोजातीय पशुओं के व्यापार के बारे में जानकारी प्रदान करता है जो देश में किसी अन्य प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं था।
- नकूल प्रजनन बाज़ार:
 - यह गुणवत्तापूर्ण-रोग मुक्त गोजातीय जर्मप्लाज़्म के लिये प्रजनकों और किसानों को जोड़ने वाला एक ई-मार्केट पोर्टल है।
- पशु संजीवनी:
 - यह एक पशु कल्याण कार्यक्रम है जिसमें वशिष्ट पहचान और राष्ट्रीय डेटाबेस पर डेटा अपलोड करने के साथ पशु स्वास्थ्य कार्ड ('नकूल स्वास्थ्य पत्र') का प्रावधान शामिल है।
- सहायक प्रजनन तकनीक (ART):
 - सहायक प्रजनन तकनीक- IVF/मल्टीपल ओव्यूलेशन एम्ब्रियो ट्रांसफर (MOET) और सेक्स-सॉर्टेड सीमेन तकनीक है, इससे रोग मुक्त मादा गोवंश की उपलब्धता में सुधार किया जा सकता है।
- स्वदेशी नस्लों के लिये राष्ट्रीय गोजातीय जीनोमिक केंद्र (NBGC-IB):
 - यह अत्यधिक सटीक जीन-आधारित तकनीक का उपयोग करके कम उम्र में उच्च आनुवंशिक योग्यता के प्रजनन सांडों के चयन के लिये स्थापित किया जाएगा।
- AHIDF योजना:
 - व्यक्तिगत उद्यमियों, नजी कंपनियों, MSME, किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) और धारा 8 के अंतरगत कंपनियों द्वारा नविश को प्रोत्साहित करने के लिये आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रोत्साहन पैकेज के तहत 15000 करोड़ रुपए का AHIDF स्थापित किया गया है:
 - डेयरी प्रसंस्करण और मूल्यवर्द्धन अवसंरचना,
 - मांस प्रसंस्करण और मूल्यवर्द्धन अवसंरचना और
 - पशु चारा संयंत्र।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, पछिले वर्ष के प्रश्न (पीवाईक्यू)

प्रश्न. ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि रोज़गार और आय प्रदान करने के लिये पशुधन पालन की बड़ी संभावना है। भारत में इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिये उपयुक्त उपाय सुझाने पर चर्चा कीजिये। (2015)

स्रोत: पी.आई.बी.